दिनांक –

प्रति,

थाना प्रभारी
अजाक थाना
दंतेवाड़ा, ज़िला दंतेवाड़ा

विषय – धारा 153, 153-A(1),153-B(a),166,499,503,505(1)(b), 505(1)(c),505(2) भारतीय दण्ड विधान एवं धारा 3(1)(X)एवं 3(1)(XV) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निरोधक) अधिनियम के अन्तर्गत प्रथम सूचना पत्र दर्ज हेतु आवेदन

महोदय,

आपसे निम्न निवेदन है कि:

1. मैं, श्रीमती सोनी सोरी,ग्राम समेली, दंतेवाड़ा की मूल निवासी हूँ और वर्तमान मे अपने तीन छोटे बच्चों के साथ गीदम मे रहती हूँ। एक सामाजिक कार्यकर्ता होने के साथ साथमैं आम आदमी पार्टी की बस्तर संभाग की संयोजक हूँ और पार्टी की राष्ट्र कार्यकारिणी की सदस्याभी हूँ। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार मिटाने और सरकारी काम में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ही इस प्रदेश में काम कर रही है ।
2. मैं, लिंगाराम कोडोपी, ग्राम समेली, दंतेवाड़ा का मूल निवासी हूँ और स्वतंत्र पत्रकार हूँ। मैं सामाजिक कार्यकर्ता हूँ और मानवाधिकरों के संरक्षण के लिये काम करता हूँ। श्रीमती सोनी सोरीमेरी बुआ हैं।
3. हम दोनों अन्य आम आदमी पार्टी साथियोंके साथ मिल कर पुलिस एवं प्रशासन कीयहाँ के मूलनिवासी आदीवासियों के प्रति जवाबदारी स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं । हमने दिनांक 31.7.2015 को जगदलपुर में पत्रकारवार्ता में 29.7.2015 को नहाड़ी गाँव में हुई पुलिस मुठभेड़ को फर्ज़ी प्रमाणित किया है। इससे पहले भी पुलिस द्वारा आदिवासियों के अधिकारों के उल्लंघन के कई मुद्दों पर हमने आवाज़ उठाई है।
4. गीदम में दिनांक 1 अगस्त 2015 कोबस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) श्री एसआरपी कल्लूरी गीदम आये।वहाँश्री कल्लूरी नेदंतेवाड़ा के एसपी और एसडीएम के साथ-साथ गीदम के व्यापारी समुदाय से एक खुली सभा में मुलाक़ात की जहाँ पत्रकार लोग भी मौजूद थे।वहाँ व्यापारी समुदायने व्यापारियों पर हो रहे नक्सली हमलों पर चिन्ता जताई और सुरक्षा के अभाव को लेकर असंतुष्टी व्यक्त की।

5. इस अवसर पर श्री कल्लूरी ने, माहौल को सँभालने और व्यापारियों की आशंका दूर कर उनमें आत्मविश्वाश लाने के बजाय, सार्वजनिक तौर पर व्यापारियों पर हो रहे इन हमलों के लिए हम दोनों, सोनी सोरी एवं लिंगाराम कोडोपी को, और अन्य आम आदमी पार्टी के सदस्यों और पदाधिकारियों को दोषी ठहराया ।श्री कल्लूरी ने सभी को समझाइश दी कि बस्तर में शांति तभी हो सकती है जब वे सब हम दोनो और हमारे साथियों का सामाजिक बहिष्कार करें। श्री कल्लूरी ने भरी सभा में हम पर यह गम्भीर आरोप भी लगाया कि हम नक्सली समर्थक हैं, और व्यापारियों के नामों और मोबाइल नम्बरों की सूचि नक्सिलियों को देते हैं, जो कि पूर्ण रूप से झूठा है। यह बात अगले दिन के समाचार पत्रों मे छपी है। दिनांक 02.08.2015 को प्रकाशित "पत्रिका" नामक समाचार पत्र के दंतेवाड़ा-सुकमा-बीजापुर के एडीशन के समाचार की प्रति संलग्न है।
6. ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में श्री कल्लूरी द्वारा दिए गए ऐसे भड़काऊ आरोपों का नतीज़ायह हुआ कि उस शाम कुछ युवक पुलिस की आड़ लेकर गीदम में सोनी सोरी के घर तक पहुँचे और वहाँ उन्होंनेउसके घर के सामने हम दोनों केखिलाफ जोर जोर से नारेबाजी की। उस समय हम दोनों में से कोई भी घर पर नहीं था, केवल सोनी सोरी के तीन छोटे बच्चे मौजूद थे जो इस घटना के चलते बहुत बुरी तरह से दहशत में आ गए हैं।
7. इस प्रकार श्री कल्लूरी ने पूरे शहर में हम दोनों के प्रति अविश्वास की भावना पैदा कर दी है, और हम पर झूठा आरोप लगाकर हमें बदनाम और बेइज़्ज़त भी किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी होने के बावजूद हम आदिवासी कार्यकर्ताओंपर बेबुनियाद आरोप लगाकर हमारेसामाजिक बहिष्कार के लिए जनता को उकसाना गैर-जिम्मेदरानाएवं गैर-कानूनी हरकत है।
8. दिनांक 17 जनवरी 2016 को मैंने, सोनी सोरी ने, दंतेवाड़ा शहर में ग्राम कुन्ना की कुछ महिलाओं और अन्य आम आदनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ एक प्रैस वार्ता की, जिसमें उजागर हुआ दिनांक 12 जनवरी 2016 को सुरक्षा बल के सदस्यों ने ग्राम कुन्ना, थाना कुकानार, ज़िला दंतेवाड़ा को घेरा था और वहाँ घरों में घुसकर ग्रामीणों के साथ मारपीट, और विशेषकर युवतियों के साथ उनको निर्वस्त्र कर यौन शोषण किया था। इसकी जानकारी लेकर जब पत्रकारों ने श्री कल्लूरी से उनकी प्रतिक्रिया के लिये सम्पर्क किया, तो उन्होंने मेरे विरुद्ध पुनः पूर्ण रूप से निराधार आरोप लगाये कि मैं नक्सलियों के लिये काम करती हूँ जिसका "पुख्ता सबूत" उनके पास मौजूद है। यहाँ के स्थानीय समाचार पत्र "नवभारत"में दिनांक 18 जनवरी 2016 को छपी उक्त प्रैस वार्ता की रिपोर्ट एवं उस पर श्री कल्लूरी की मेरे प्रति मानहानिकारक टिप्पणी की छायाप्रति इस आवेदन के साथ संलग्न है।
9. इस प्रकार से श्री कल्लूरी हमारे विरुद्ध लोगों को भड़का रहे हैं, और यहाँ की सुरक्षा व्यवस्था को हानि पहुँचा रहे हैं। इसका नतीजा यह रहा कि जब मैं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं और महिला संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ पेद्दागेलूर एवं बेल्लमनेन्ड्रा, थाना बासागुड़ा में भिन्न भिन्न घटनाओं में सुरक्षा बलों द्वारा कारित सामूहिक बलात्कार जैसे घिनौने अपराध के विरुद्ध विधिवत् तरीके से एफ.आई. आर दर्ज कराने बीजापुर आई, तो वहाँ के स्थानीय लोग मेरे विरुद्ध भड़क गये। दिनांक 29-1-2016 को पूर्व सलवा-जुडूम नेता मधुकर

राव के नेतृत्व में एव रैली निकाली गई जिसमें मेरे विरुद्ध नारेबाज़ी की गई, और मेरे एवं अन्य मानाधिकार कार्यकर्ताओं के पुतले जले। दिनांक 30-1-2016 को प्रकाशित स्थानीय समाचार पत्र "पत्रिका" के मुख्य पृष्ठ पर इस रैली की फोटो की प्रति इस आवेदन के संग संलग्न है। यह रैली, जो श्री कल्लूरी के मेरे संदर्भ में कहे गये वक्तव्यों से प्रेरित थी, न केवल मेरी सुरक्षा व्यवस्था में हानिकारक हुई, लेकिन पूरे बीजापुर शहर की व्यवस्था को अस्त-व्यस्तकर दी।

10. कल दिनांक 4-2-2015 की प्रातः सोनी सोरी के गीदम के घर में किसी अज्ञात व्यक्ति नें तीन पर्चे फेंके जिन पर सोनी सोरी के संदर्भ में अपशब्द एवं जान से मारने की धमकी लिखी हुई थी। मैं सोनी सोरी अपने तीन बच्चों और कुछ अन्य महिला परिजनों के संग अकेली रहती हूँ और इस प्रकार की हरकतें हमारे घर परिवार मे बीच में दहशत फैलाती हैं। इस मामले के संदर्भ में गीदम थाने में प्रस्तुत आवेदन की प्रतिलिपि संलग्न है।
11. इन घटनाओं के बादहमें अपनी, हमारे परिवारों की, एवं हमारे साथियों की व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए डर है। इन हालात में हम लोगों का गीदम में रहना अत्यंत मुश्किल होता जा रहा हैसोनी सोरी केबच्चों के स्कूलों में भीउनके विरुद्ध माहौल गरमाया हुआ है जिस से उनकी पढ़ाई में अड़चन आ रही है।
12. हम दोनों यहाँ के न्यायप्रिय एवं कानूनोंका पालन करने वाले नागरिक हैं। श्री कल्लूरी द्वाराहमारे खिलाफ आरोप किहम माओवादियों के लिए काम करते हैं और उनका समर्थन करते हैं - पूरी तरह से झठे, आधारहीन और मानहानिकारक हैं।
13. श्रीकल्लूरी ने जनता और मीडिया के सामने हम पर निराधार आरोप लगाकरहमें और हमारे परिवार के छोटे बच्चों को मानसिक आघात पहुंचाया हैं।श्री कल्लूरी जैसे उच्च रैंकिंग सरकारी अफसरकायह आचरण पूरी तरह से अवैध और संवैधानिक सिद्धांतों के खिलाफ है। पुलिसका यह कर्तव्य है की आम जनता में शांति बनाये रखे, न कि लोगों पर झूठाइलज़ाम लगाकर सामाजिक तनाव में वृद्धी करे।श्री कल्लूरी द्वारा हमारे बुनियादी नागरिक अधिकारों पर हमला, और हमारे खिलाफ सामाजिक बहिष्क्रार काआह्वान सरासर गैर कानूनी है।

अतः आपसे निवेदन है कि:

i. उपरोक्त दी गयी जानकारी के आधार पर , श्री एस. आर.पी. कल्लूरी के खिलाफ दो आदिवासियों और उनके परिवार को प्रताड़ित करने पर धारा 153-A,153-B,166,499,503,505(1)(b), 505(1)(c),505(2), 507भारतीय दण्ड विधान एवं धारा 3(1)(X)एवं 3(1)(XV) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निरोधक) अधिनियम या कानून के किसी अन्य उचित प्रावधानों के अन्तर्गत प्रथम सूचना पत्र दर्ज करें।

संलग्नक –

1. पत्रिका, 2.8.2015
2. नवभारत, 14. 8.2015
3. पत्रिका, 30.1.2016
4. थाने में पेश आवेदन

श्रीमती सोनी सोरी,
आम आदमी पार्टी बस्तर जोन प्रभारी
गीदम, दंतोवाड़ा

श्री लिगांराम कोडोपी,
ग्राम समेली, विकास खंड कुआकोंडा
दंतेवाड़ा .

संलग्नक - 1

सोनी सोढ़ी को आड़े हाथों लिया

आईजी कल्लूरी ने व्यापारियों से कहा आम आदमी पार्टी की नेत्री सोनी सोढ़ी, अरविंद गुप्ता, सचिन गुप्ता और लिंगा राम कोड़ोपी जैसे लोग रहेंगे तो बस्तर में शांति नहीं रहेगी। ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना होगा। इन लोगों का व्यापारी खुले तौर पर विरोध करें। माओवादियों तक इन्हीं के जरिए व्यापारियों की सूचना पहुंच रही हैं। उन तक कैसे लैंड लाइन नंबर, सेलफोन नंबर पहुंच रहे हैं। माओवादी मारा जाता है तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करती है। व्यापारी, जवान, निर्दोष आदिवासी मामलों में कभी सामने नहीं आती हैं।

patrika epaper editions Sun, 02 August 2015
epaper.patrika.com/c/6074265

संलग्नक -2

देश-विदेश
गांधी परिवार पर साधा निशाना

नवभारत

SPORTS
मैक्सवेल के तूफान में उड़ा भारत

संस्थापक : स्व. श्री रामगोपाल माहेश्वरी
रायपुर सोमवार 18 जनवरी 2016 | पौष शुक्ल पक्ष-9 | पृष्ठ-14 | मूल्य ₹ 3.50 | www.navabharat.org

जवानों पर महिलाओं से ज्यादती करने के आरोप

सुकमा जिले की घटना, निर्वस्त्र करने-अनाचार की कोशिश का आक्षेप, पुलिस ने बताया झूठ

- दर्जन भर आदिवासी महिलाओं ने संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन, तत्काल निलंबित करने की मांग

जगदलपुर. कार्यालय.

सुकमा जिले के पेद्दारास गांव में नक्सल ऑपरेशन के दौरान पहुंचे पुलिस जवानों द्वारा गांव की कई महिलाओं के साथ ज्यादती के आरोप सामने आए हैं. महिलाओं ने जिला प्रशासन और पुलिस के आला अफसरों से भी 12 जनवरी की इस घटना की शिकायत की है. करीब आधा दर्जन महिलाओं ने आरोप लगाया है कि जवानों ने उनके कपड़े फाड़े. अनाचार करने की कोशिश की. कुछ महिलाओं को निर्वस्त्र कर दिया. मारपीट भी की. महिलाओं ने तीन जवानों के नाम भी बताए हैं. बस्तर रेंज के पुलिस महानिदेशक

सोनी सोरी के साथ शिकायत करने आई गांव की पीड़ित महिलाएं.

एसआरपी कल्लूरी ने इन तमाम आरोपों को बेबुनियाद बताया है. उनका कहना है कि पुलिस की लगातार कार्रवाई से नक्सली बौखला गए हैं. यह शिकायत पुलिस की कार्रवाई को रोकने की नक्सलियों की रणनीति का एक हिस्सा है.

पेद्दारास गांव धुर नक्सली इलाके कूकानार में है. महिलाएं बस्तर इलाके में आप की नेता सोनी सोरी के साथ बस्तर के संभागायुक्त से भी मिलने आई थीं. इस पूरे मामले में उन्होंने प्रशासन को लिखित शिकायत भी दी है. महिलाओं ने बताया कि वह पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सुकमा, बस्तर, दंतेवाड़ा से भी मामले की शिकायत कर चुकी हैं. महिलाओं ने बताया कि पेद्दारास गांव में गत 12 जनवरी को संयुक्त सैन्य बलों ने सर्चिंग की थी. मुचाकी कोसी पिता मुका, हड़मे पति देवा कारतम, करतामी गंगा पति मुईया, हड़मी पोड़ियामी पति लखमा ने आरोप लगाया है कि जांच के नाम पर जवानों ने उनको जबरन पकड़ा. कपड़े फाड़कर निर्वस्त्र करने, मारपीट करने व शेष @ pg 5 पर

सारे आरोप झूठे : आईजी

बस्तर रेंज के आईजी श्री कल्लूरी का कहना है कि सुकमा इलाके के नक्सली पुलिस के आक्रामक रुख से दहशत में हैं. उनके साथी लगातार सरेंडर कर रहे हैं. कई नक्सली मुठभेड़ में मारे गए. पुलिस की कार्रवाईयों को रोकने के लिए नक्सली कई तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. यह भी उसमें से एक है. जहां तक सोनी सोरी की बात है, तो वह क्या हैं, सबको पता है. उनके खिलाफ पुलिस के पास कई मामलों में पुख्ता प्रमाण हैं. महिलाओं ने जो भी आरोप लगाए हैं सरासर झूठे हैं.

हेडमास्टर के पास 66 ल

कई अफसरों के पास मिली संपत्ति देख एसीबी-ईओडब्ल्

सलग्नक - 3

विरोध › ग्रामीणों ने माओवादियो व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का फूंका पुतला, राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

माओवादियों के खिलाफ ग्रामीणों की रैली

जगदलपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

बीजापुर में ग्रामीणों ने माओवादियों के खिलाफ रैली निकाली। लोगों ने आप नेता सोनी सोढ़ी, बाहरी एनजीओ, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं व माओवादियों के खिलाफ शुक्रवार को परेड ग्राउंड में ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सोनी सोढ़ी का व मानवाधिकार का पुतला फूंका। इसके बाद नारेबाजी कर रहे ग्रामीणों ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार डीडी महंत को ज्ञापन सौंपा।

हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करने जातीं महिलाएं।

मानवाधिकारी कार्यकर्ताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण।

नक्सल पीड़ित संघर्ष समिति के बेनर तले जुडूम नेता मधुकर राव के नेतृत्व में सुबह 10 बजे से ही काफी संख्या में ग्रामीण परेड ग्राउंड पहुंच चुके थे। रैली में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि अब बस्तर में माओवादियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने माओवादियों को चेताया कि निर्दोष ग्रामीणों की पुलिस मुखबिर बताकर हत्या करना बंद करें। लुटेरों, डाकुओं की तरह ग्रामीणों, ठेकेदारों, व्यापारियों से अवैध वसूली बंद करने की मांग की गई।

कलेक्टोरेट के सामने किया चक्काजाम

रैली की शक्ल में कलेक्टोरेट पहुचे ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक सोनी सोढ़ी से बाहर निकालने की मांग कर रहे थे। पर जब कोई हल नहीं निकला तो पूरी भीड़ कलेक्टोरेट प्रांगण में प्रवेश कर गयी और सोनी सोढ़ी और बेला भाटिया को बाहर निकलने की मांग करती रही। जब पता चला कि वे वहां नहीं है तो पूरी भीड़ बाहर निकल आई और सड़क पर जाम कर दिया।

patrika epaper editions Sat, 30 January 2016
epaper.patrika.com/c/8444384